खण्ड – 6 संख्या – 17

एकादश

बिहार विधान-सभा वाद-वृत्त

कार्यवाही प्रश्नोत्तर सहित

भाग - 1

दिन बुधवार, तिथि 17 जुलाई, 1996 ई०

विषय-सूची

प्रश्नों के लिखित उत्तर :-

प्रश्नों के मौखिक उत्तर :-

अल्प सूचित प्रश्नोत्तर संख्या :- 74 एवं 75

तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या :- 981, 993, 995, 1000, 1824, 1825, 1826, 1827, 1828, 1833, 1835, 1836, 1838, 1839, 1840, 1841, 1842 एवं 1843

दैनिक निबंध

टिप्पणी :- किन्ही मा० मंत्रियों अथवा मा० सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है।

2. मुंगेर बरियापुर लिंक पथ इस पथ की लम्बाई 6 कि०मी० है तथा चौड़ाई 18 फीट है। इस पथ के 6 वें कि०मी० में वर्ष 95-96 में सतह नवीकरण कार्य कराया गया है। शेष भाग में पैच फीट कराकर पथ को यातायात के अनुकूल रखा गया है।

3. मुंगेर डकारानाला लिंक पथ इस पथ की लम्बाई 4.15 किमी० है तथा चौड़ाई प्रथम 2 कि०मी० में 12 फीट शेष अगले सभी कि०मी० में 18 फीट है। पैच पौट कराकर इस पथ को आवागमन के अनुकूल रखा गया है।

3. सवाल ही नहीं उठता है।

श्री गणेश प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था है। प्रश्न में मुख्मंत्रीजी के पत्रांक 3560110 दिनांक 23.6.95 अभियंता प्रमुख, पथ निर्माण विभाग को दिये जाने की बात है इसमें मुख्यमंत्री जी नेलिखा हैकि इस सड़क की मरम्मति करवा दें। माननीय मंत्री कहते हैं कि माननीय मुख्यमंत्री का पत्र विभाग को नहीं मिला है। इससे ज्यादा दुखद स्थिति और क्या हो सकती है? जब प्रश्न आया तो यह समीक्षा नहीं करायी गयी कि माननीय मुख्यमंत्री जी का पत्र आया है या नहीं। इस तरह से माननीय मुख्यमंत्री जी के पत्र का उपहास किया गया है ।

मो० इलियास हुसैन : इसकी समीक्षा कीगयी फलस्वरूप यह उत्तर दिया जा रहा है।

अधिकारी पर कार्रवाई

1838. श्री दुती पाहन : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

1. क्या यह बात सही है कि जवाहर रोजगार योजना के तहत इंदिरा आवासों के निर्माण के लिए लोहरदगा जिला को 66 लाख रूपये वर्ष 1993-94 के लिए आवंटित किया गया था, जिसका व्यय वर्त्तमान वित्तीय वर्ष तक नहीं किया गया है?

2. यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक हैतो सरकार खर्च नहीं करने के लिए जिम्मेवार अधिकारी पर कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि नहीं तो, क्यों?

श्री रमई राम : 1. उत्तर स्वीकारात्मक है।

वर्ष 1993-94 में लोहरदगा जिला को इंदिरा आवास योजना निमित्त 26.15 लाख रू० उपलब्ध हुए थे, जिसका व्यय उक्त वित्तीय वर्ष में ही कर लिया गया था।

2. उपर्युक्त वर्णित स्थिति में प्रश्न नहीं उठता है।

श्री दुती पाहन : अध्यक्ष महोदय, मण्डरा, कुरू और सेनहा से 17 सौ एप्लीकेशंस आए थे इन्दिरा आवास बनाने के लिए उनका आवेदन किस आधार पर रिजेक्ट किया गया?

श्री रमई राम : अध्यक्ष महोदय, हर जिला में प्रखण्ड से पैसा बंटता है इसके लिए जो संख्या है जिसमें यह था कि 1577 इन्दिरा आवस बनाना और उसके तहत बनाया गया है। और इस योजना में जो राशि खर्च हुई है वह है 218.66 लाख रूपया।

श्री दुती पाहन : इन्दिरा आवास बनाने का लक्ष्य पूरा हुआ?

श्री रमई राम : विभाग का ऐसा कोई निर्देश नहीं है कि किसी आवेदनपत्र पर निर्माण कराया जाय, प्रखण्ड प्रस्ताव देता है, माननीय जन प्रतिनिधि आदि होते हैं वे तय करते हैं एक गांव में पूरा का पूरा करते हैं।

श्री रामजी लाल शारदा : जिन प्रखण्डों का नाम लिया गया है उनमें कितने आवास बने?

श्री रमई राम : आपका इससे कोई संबंध नहीं है, इससे प्रश्न नहीं उठता है।

श्री दुती पाहन : मैने प्रश्न पूछा था कि पांच प्रखण्ड में 17 सौ आवेदन पत्र क्यों रिजेक्ट किया गया?

श्री रमई राम : 17 सौ आवेदन पत्र इस प्रश्न से इसका कोई संबंध नहीं है।

पथ की मरम्मत

1839. श्री श्याम रजक : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेगें कि-

क्या यह बात सही है कि फुलवारी जानीपुर भाया भुसौला, दानापुर (पटना) पथ निर्माण विभाग की सड़के है, जिसकी हालत जर्जर है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त पथ की मरम्मति कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों?

श्री मो० इलियास हुसैन : वस्तुस्थिति यह है कि पथ के 5वें कि०मी० अंश, 6 वें कि०मि० अंश एवं 9 कि०मी० अंश घरों एवं नालियों से पानी का बहाव पथ से ऊपर से होने से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। शेष पथांस की स्थिति सामान्य है। तत्काल झामा मेटल एवं ब्रिक्स के द्वारा मरम्मति करायी जा रही है। बरसात के बाद पथ की पूरी मरम्मती कराने का कार्यक्रम है।